

यात्रा में शामिल कावड़िये करीब 300 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर ऑकराकर राह पड़ते हैं। यात्रा के दौरान कावड़ियों में ले जाए जा रहे परिवज जनों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। कावड़ यात्रा के माध्यम से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की जाएगी। 22वीं कावड़ यात्रा के रवाना होने के सातों ही सुसंरत नगर एक बार फिर शिवाभिषेक के रंग में रंग गया। सावन के महीने में निकली यह धार्मिक यात्रा श्रद्धा, आस्था और सनातन परंपरा का जीवंत उदाहरण बनी।